केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नवदेहली

व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्रः एक परिचय - पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की कक्षा बारहवीं की पाठ्यपुस्तक तथा NEP 2020 पर आधारित)

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्रार्द्ध)

प्रस्तुतकर्त्री

प्रो. लीना सक्करवाल

आचार्या, शिक्षाशास्त्रविद्याशाखा

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय

जयपुर परिसर, राजस्थान – ३०२०१८

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नव देहली

व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र: एक परिचय - पाठ्यक्रम

(एन.सी.ई.आर.टी की कक्षा १२वीं की अर्थशास्त्र पुस्तक पर आधारित)

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्रार्द्ध – (४ क्रेडिट)

अंक – १००

घंटे – ६४ घंटे

उद्देश्य -

तृतीय सत्रार्द्ध के इस अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी –

- सामान्य अर्थव्यवस्था तथा उसकी केन्द्रीय समस्याओं को जान पाएंगे।
- व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र की संकल्पना से परिचित हो सकेंगे।
- उपभोक्ता का बजट तथा उसमें बदलाव के सम्प्रत्यय को जान सकेंगे।
- माँग वक्र तथा उसके नियमों से परिचित हो सकेंगे।
- उत्पादन तथा लागत के नियमों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्राक्शास्त्री – द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्रार्द्ध के ४ क्रेडिट

(पाठ्यक्रम का सारणी स्वरूप)

इकाई	क्रेडिट	अंक	घण्टा	कालांश प्रति माह
इकाई – १	१	२५	१६	२१
इकाई – २	१	२५	१६	२१
इकाई – ३	१	२५	१६	२१
इकाई – ४	१	२५	१६	२१
कुल – ४	**४**	**१००**	**६४**	**८४**

प्रत्येक इकाई का विस्तृत विवेचन अग्रिम पृष्ठ पर है –

कक्षा – प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्रार्द्ध – ४ क्रेडिट

क्रेडिट – १

इकाई – १ **सामान्य अर्थव्यवस्था - परिचय** **घण्टे – १६**

अंक – २५

अधिगम परिणाम (Learning outcomes) –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं को जान सकेंगे।
- आर्थिक क्रियाकलापों के आयोजन से परिचित हो सकेंगे।
- सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र को समझ सकेंगे।
- व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र के सम्प्रदाय को जान सकेंगे।

विषयवस्तु

1.1. सामान्य अर्थव्यवस्था, अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ
1.2. आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन – केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था, बाज़ार अर्थव्यवस्था
1.3. सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र
1.4. व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र, पुस्तक की योजना
1.5. समष्टि अर्थशास्त्र का उद्भव, वर्तमान पुस्तक का संदर्भ तथा कुछ मूलभूत संकल्पनाएँ।

सत्रीय कार्य - – अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं का विवेचन कर उत्पादन की संभावनाओं के सम्प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए।

क्रेडिट – १

इकाई – २ **<u>उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धान्त</u>** **घण्टे – १६**

अंक – २५

अधिगम परिणाम (Learning outcomes) –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- उपयोगिता के विश्लेषण से परिचित हो सकेंगे।
- उपभोक्ता का बजट तथा उसमें बदलाव के सम्प्रत्यय को जान सकेंगे।
- आय के वर्तुल प्रवाह तथा राष्ट्रीय गणना की विधियों को जान सकेंगे।

विषयवस्तु

2.1. उपयोगिता – गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण, क्रमवाचक उपयोगिता विश्लेषण

2.2. उपभोक्ता का बजट – बजट सेट एवं बजट रेखा, बजट सेट में बदलाव

2.3. उपभोक्ता का इष्टतम चयन

2.4. आय का वर्तुल प्रवाह और राष्ट्रीय आय गणना की विधियाँ उत्पाद विधि, व्ययविधि, आय विधि, साधन लागत, आधारित कीमतें तथा बाजार कीमतें

<u>सत्रीय कार्य</u> – उपभोक्ता के बजट सेट से आप क्या समझते है? तथा बजट रेखा की प्रवणता नीचे की ओर क्यों होती है? समझाइए

क्रेडिट – १

इकाई – ३ **माँग** **घण्टे – १६**

अंक – २५

अधिगम परिणाम (Learning outcomes) –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- माँग वक्र तथा उसके नियमों को भली प्रकार से जान पाएंगे।
- माँग वक्र की दिशा में गति को समझ पाएंगे।
- बाजार माँग तथा, मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद से भी परिचित हो सकेंगे।

विषयवस्तु

3.1. माँग वक्र तथा माँग का नियम, अनधिमान वक्रों तथा बजट बाध्यताओं से माँग वक्र की व्युत्पत्ति।

3.2. सामान्य तथा निम्नस्तरीय वस्तुएँ, स्थानापन्न तथा पूरक।

3.3. माँग वक्र में शिफ्ट, माँग वक्र की दिशा में गति और माँग वक्र में शिफ्ट

3.4. बाजार माँग, माँग की लोच

3.5. कुछ समष्टि अर्थशास्त्रीय तादात्म्य, मौद्रिक सकल घरेलू और वास्तविक कर, सकल घरेलू उत्पाद और कल्याण

सत्रीय कार्य – माँग वक्र तथा उसके नियम को स्पष्ट कीजिए। माँग की कीमत लोच को परिभाषित कीजिए।

क्रेडिट – १

इकाई – ४ | **उत्पादन तथा लागत** | **घण्टे – १६**

अंक – २५

अधिगम परिणाम (Learning outcomes) –

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- उत्पादन फलन के प्रकार तथा कुल औसत सीमांत उत्पाद को जान सकेंगे।
- उत्पाद के नियमों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- पैमाने के प्रतिफल को समझ पायेंगे तथा,
- मुद्रा पूर्ति नियंत्रण के नीतिगत उपकरणों की जानकारी प्राप्त कर पायेंगे।

विषयवस्तु

4.1. उत्पादन फलन, अल्पकाल तथा दीर्घकाल, कुल-औसक-सीमांत उत्पाद।

4.2. ह्रासमान सीमांत उत्पाद नियम तथा परिवर्ती अनुपात नियम

4.3. कुल-सीमांत-औसत उत्पाद वक्र की आकृतियाँ

4.4. पैमाने का प्रतिफल, अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन लागत

4.5. मुद्रा के कार्य, मुद्रा की माँग और पूर्ति, बैंकिंग व्यवस्था द्वारा साख सृजन, मुद्रा पूर्ति के नियंत्रण के नीतिगत उपकरण।

सत्रीय कार्य – अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन लागत को स्पष्ट कीजिए।